ऋषभ पंत की लापरवाही

भारत ने साउथ अफ्रीका के सामने 260 रन का टारगेट रखा था। यह मैच के तीसरे दिन की बात है। भारत 266 रन पर ऑलआउट हुआ जबकि तब दो दिन और एक सेशन से भी ज्यादा का समय बचा था। अगर स्कोर में 50–60 रन और जोड़ लिया जाता तो 300 से ज्यादा का टारगेट साउथ अफ्रीका के लिए इतना आसान नहीं होता। साथ ही लो स्कोरिंग गेम में 300 वाला प्रेशर भी काम करता, लेकिन यह सबकुछ तब होता जब ऋषभ पंत इतने लापरवाह नहीं होते। फिफ्टी ठोकने वाले पुजारा और रहाणे ने अपने शरीर पर गेंद झेलते हुए भारत की मैच में वापसी करवाई थी।

वो पांच कारण जिसके चलते भारत हारा दूसरा टेस्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जोहानिसबर्ग। इस मैच से पहले भारत ने जोहानिसबर्ग में पांच टेस्ट खेले थे। दो जीत और तीन ड्रॉ के साथ रेकॉर्ड भी अच्छा था। मगर वांडरर्स में पहली हार भी तब मिली जब टीम इंडिया इतिहास रचने के मुहाने पर खड़ी थी। ऋषभ पंत के स्लॉग से लेकर कमजोर मिडिल ऑर्डर और घटिया कैचिंग से लेकर विराट कोहली की गैरमौजूदगी तक ऐसे कई फैक्टर्स रहे जिसका साउथ अफ्रीका ने बखूबी फायदा उठाया। भारत ने इस पिच पर न सिर्फ अपने बेस्ट बल्लेबाज को मिस किया बल्कि एक जूझारू कप्तान की कमी भी महसूस की। भले ही कोहली के बल्ले से शतक नहीं निकल पा रहा हो, लेकिन 30 और 40 का स्कोर तो वह क्रॉस कर ही जाते हैं। बतौर कप्तान भी वह विपरित हालातों में निखरकर आते हैं। 2018 में वांडरर्स में दक्षिण अफ्रीका पर जीत और हाल ही में लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ भारत का कमाल इस बात का सबूत है। इस मैच में भी मैदान पर डीन एल्गर को कोई आमने–सामने की लड़ाई में रोकने वाला नजर नहीं आया।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच में भारत को मिली हार

क्रिकेट

वर्ल्ड टेस्ट चैंपयिनशिप की अंक तालिका में भारत का अब है ऐसा हाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के खिलाफ जोहानसबर्ग टेस्ट मैच में मिली हार के बाद भारत को 9.07 अंक का नुकसान हुआ, लेकिन वो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में अभी भी चौथे स्थान पर बरकरार है। वहीं 50 फीसदी अंक के साथ साउथ अफ्रीका की टीम पांचवें नंबर पर है। इस अंक तालिका में फिलहाल आस्ट्रेलिया पहले नंबर पर है तो वहीं श्रीलंका दूसरे जबकि पाकिस्तान तीसरे स्थान पर मौजूद है। साउथ अफ्रीका को जब भारत ने पहले टेस्ट मैच में हराया था तब ये टीम अंक तालिका में आठवें स्थान पर थी, लेकिन दूसरे टेस्ट मैच में मिली जीत के बाद इस टीम ने जबरदस्त छलांग लगाई और पांचवें नंबर पर भारत के ठीक करीब पहुंच गई।

आपको बता दें कि भारतीय क्रिकेट टीम को जोहानसबर्ग टेस्ट

मैच में 7 विकेट से हार मिली थी। इस मैच में भारतीय टीम ने प्रोटियाज को जीत के लिए 240 रन का लक्ष्य दिया था। इस लक्ष्य को मेजबान साउथ अफ्रीका ने मैच के चौथे दिन कप्तान डीन एल्गर के नाबाद 96 रन की पारी के दम पर तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया था। इस मैच में खेल के चौथे दिन लगातार बारिश की वजह से तीन सेशन का खेल नहीं हो पाया था, लेकिन चौथे सेशन में साउथ अफ्रीका को बल्लेबाजी का मौका मिला और टीम ने जीत हासिल कर ली।

साउथ अफ्रीका ने दूसरा टेस्ट मैच जीतकर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में फिलहाल 1–1 की बराबरी कर ली है। दूसरे टेस्ट मैच में कप्तान विराट कोहली चोटिल थे जिसकी वजह से नहीं खेल पाए थे, लेकिन अब वो फिट हैं और कहा जा रहा है कि तीसरे टेस्ट मैच में उनकी वापसी होगी। भारत को साउथ अफ्रीका के खिलाफ उसकी धरती पर पहली बार टेस्ट सीरीज जीतने के लिए अब केपटाउन टेस्ट मैच में जीत हासिल करना बेहद जरूरी होगा। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच चौथा टेस्ट मैच अब 11 जनवरी से खेला जाएगा।

जॉनी बेयरस्टॉ के शतक से इंग्लैंड ने चौथे एशेज टेस्ट में वापसी की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सिडनी। जॉनी बेयरस्टॉ के साहसिक शतक और बेन स्टोक्स के अर्धशतक की मदद से इंग्लैंड ने खराब शुरूआत के बाद चौथे एशेज टेस्ट के तीसरे दिन शुक्रवार को वापसी की। बेयरस्टॉ सात पारियों में पहला शतक जड़ने वाले इंग्लैंड के बल्लेबाज हैं। एक समय पर इंग्लैंड का स्कोर चार विकेट पर 36 रन था लेकिन बेयरस्टॉ और स्टोक्स ने उसे सात विकेट पर 258 रन तक पहुंचाया।

पैट कमिंस की गेंद अंगूठे पर लगने के बाद दर्द से कराहते दिखे बेयरस्टॉ ने न सिर्फ वह दर्द झेला बल्कि दूसरे छोर से विकेटों का पतन देखकर भी विचलित नहीं हुए। उन्होंने 138 गेंद में 12 चौकों और तीन छक्कों की मदद

से अपना शतक पूरा किया। उन्होंने दोनों बाजू खोलकर इंग्लैंड के ड्रेसिंग रूम की तरफ भागते हुए अपने सातवें टेस्ट शतक का जश्न मनाया। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने पर बेयरस्टॉ 103 और जैक लीच चार रन बनाकर खेल रहे थे। इंग्लैंड अभी भी ऑस्ट्रेलिया से 158 रन पीछे है। इससे पहले बेन स्टोक्स ने 91 गेंद में नौ चौकों और एक छक्के की मदद से 66 रन बनाए। उन्होंने बेयरस्टॉ के साथ 128 रन की साझेदारी करके इंग्लैंड को संकट से निकाला।

नाथन लियोन ने स्टोक्स को पगबाधा आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा। स्टोक्स को दो बार जीवनदान मिले जब पैट कमिंस अपनी ही गेंद पर उनका कैच लपकने से चूक गए और फिर पगबाधा के मैदानी अंपायर के फैसले पर रिव्यू लेकर वह कामयाब रहे। स्टोक्स जब नौ रन पर थे तब कमिंस ने उनका रिटर्न कैच छोड़ा। अगर वह आउट हो जाते तो 50 रन से भी कम पर इंग्लैंड के पांच विकेट होते। इसके बाद कैमरन ग्रीन की गेंद पर उन्हें पगबाधा आउट दिया गया लेकिन उन्होंने तुरंत रिव्यू लिया और कामयाब रहे। रिव्यू में दिखा कि गेंद असल में विकेट पर लगकर गई है लेकिन बेल्स नहीं गिरे।

पूर्व पाकिस्तानी स्पिनर ने बताई द्रविड़ और विराट की गलती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया को लगता है कि विराट कोहली और राहुल द्रविड़ को साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच के चौथे दिन बैकग्राउंड में मैच में शामिल रहना चाहिए था। भारतीय टीम को वॉन्डरर्स के मैदान पर सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा। विराट कोहली पीठ के ऊपरी हिस्से में जकड़न की वजह से इस टेस्ट में नहीं खेल रहे थे। हालांकि वह मैदान के बाहर बैठे मैच पर नजर तो बनाए हुए थे। कनेरिया को हालांकि लगता है कि कोहली और द्रविड़ को ड्रेसिंग रूम से अपनी टीम को जरूरी टिप्स देने चाहिए थे। कनेरिया ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, टीम इंडिया बैकफुट पर थी, उन्हें साउथ अफ्रीका के लिए रन बनाना मुश्किल करना चाहिए था। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। गेंदबाजी और गेंदबाजी परिवर्तन अच्छे नहीं थे। केएल राहुल की ज्यादा आलोचना नहीं की जा सकती क्योंकि वह पहली बार कप्तानी कर रहे थे लेकिन मुझे लगता है कि कोहली और द्रविड़ को गेंदबाजी परिवर्तन और गेंदबाजी को लेकर निर्देश भेजने चाहिए थे।

न्यूज डायरी

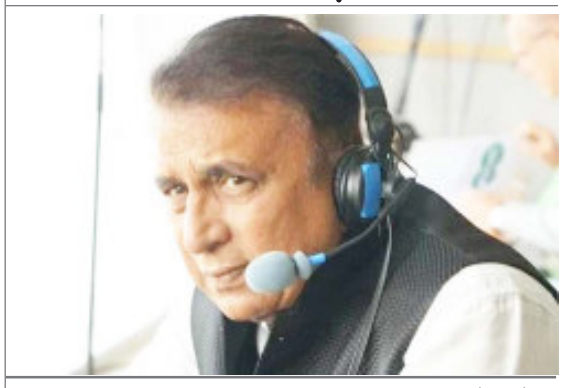

कभी–कभी हम सीनियर खिलाड़ियों के प्रति काफी सख्त हो जाते हैः गावस्कर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जोहानिसबर्ग। महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर को लगता है कि चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे उस भरोसे पर खरे उतरे जो उन पर दिखाया गया था और साथ ही उन्होंने कहा कि युवा प्रतिभाओं से उत्साहित हो जाना आसान होता है लेकिन टीम को अपने सीनियर खिलाड़ियों पर तब तक भरोसा दिखाना जारी रखना चाहिए जब तक वे 'खराब तरीके से आउट नहीं होने लगें'।लगातार खराब प्रदर्शन के बाद आलोचनाओं से घिरे पुजारा और रहाणे ने बल्ले से अच्छा खेल दिखाया और साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भारत की दूसरी पारी में अर्धशतक बनाए। गावस्कर ने 'स्टार स्पोर्ट्स' से कहा, 'वे अनुभवी हैं और उन्होंने टीम के लिए बीते समय में जो कुछ किया है, उससे टीम ने उनका समर्थन किया। उन्हें खुद पर भरोसा था कि वे अच्छा करेंगे और उन्होंने ऐसा किया भी।' उन्होंने कहा, 'कभी कभार हम अपने सीनियर खिलाड़ियों के प्रति थोड़ा सख्त हो सकते हैं।

टी20 में अब स्लो ओवर रेट नया जुर्माना, जेब ही नहीं मैच पर भी पड़ेगा भारी!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शुक्रवार को पुरुषों और महिलाओं के टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में धीमी ओवर दरों के लिए इन मैच पेनल्टी की शुरुआत की। इसमें यह भी कहा गया है कि पारी के बीच में वैकल्पिक ड्रिंक्स ब्रेक खेल परिस्थितियों का एक हिस्सा होगा। नई खेल परिस्थितियों में खेले जाने वाला पहला पुरुष मैच 16 जनवरी को जमैका के सबीना पार्क में वेस्टइंडीज और आयरलैंड के बीच एकमात्र मुकाबला होगा, जबकि साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की सीरीज का पहला टी20 मैच 18 जनवरी को सेंचुरियन में होगा। धीमी ओवर गति के लिए मैच के दौरान पेनल्टी का मतलब है कि फिल्डिंग टीम को इसके लिए दंडित किया जाएगा। आईसीसी ने एक बयान में कहा, 'ओवर रेट नियमों को खेल की परिस्थितियों के खंड 13.8 में दर्ज किया गया है, जो यह निर्धारित करता है कि एक फिल्डिंग टीम के अंत के लिए निर्धारित या पुनर्निर्धारित समय तक पारी के अंतिम ओवर की पहली गेंद फेंकने की स्थिति में होना चाहिए।'

विकेट से गेंद लगने के बाद भी बचे बेन स्टोक्स

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सिडनी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज के चौथे टेस्ट में एक अजीब वाकया देखने को मिला। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी उस समय हैरान रह गए जब कैमरन ग्रीन की गेंद बेन स्टोक्स के ऑफ स्टंप से टकराई लेकिन बेल्स नहीं गिरीं। बेन स्टोक्स को जीवनदान मिला। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को यकीन नहीं हुआ और उन्होंने स्टंप्स को हिलाकर देखा कि कहीं कोई पंगा तो नहीं है। मैच के तीसरे दिन, ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड पर अपना दबदबा कायम रखा। इंग्लैंड ने पहले सेशन में चार विकेट खो दिए। स्कॉट बोलैंड ने लगातार दो विकेट लेकर मेहमान टीम को दो झटके दिए थे। लंच के बाद बेन स्टोक्स और जॉन बेयरस्टो ने हालांकि दूसरे सेशन में अपनी टीम को संभाला। लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 8 विकेट पर 416 रन बनाकर मजबूत स्थिति हासिल कर ली थी। तीसरे सेशन में खबर लिखे जाने तक इंग्लैंड का स्कोर सात विकेट पर 245 रन है।

डीन एल्गर ने अपनी पारी से यह दमदार रिकार्ड अपने नाम किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। जोहानसबर्ग टेस्ट मैच में भारतीय टीम और जीत के बीच प्रोटियाज कप्तान डीन एल्गर खड़े नजर आए और टीम इंडिया की जीत में सबसे बड़े विलेन साबित हुए। डीन एल्गर ने अपनी पारी से ना सिर्फ अपनी टीम को जीत दिलाई बल्कि भारत की टेस्ट सीरीज में जीत की उम्मीदों पर भी पानी फेर दिया। इस मैदान पर भारत ने अब तक कोई भी टेस्ट नहीं गंवाया था, लेकिन केएल राहुल की कप्तानी में भारत का पिछला 29 साल का रिकार्ड ध्वस्त हो गया और ये सबकुछ सिर्फ और सिर्फ डीन एल्गर की शानदार पारी की वजह से हुआ।